मंगलवार, 28 अप्रैल, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

पीवी सिंधू ने BWF परिषद में संभाली नई जिम्मेदारी

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

बॉबी देओल की 'बंदर' 5 जून को होगी रिलीज

Page-05

यह एफटीए दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को नई दिशा देगा।पीयूष गोयल और टॉड मैक्ले की मौजूदगी में हुआ यह समझौता आर्थिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है।इससे रोजगार सृजन, निर्यात वृद्धि और वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता

निर्यात को बढ़ावा,नए रास्ते खुलेंगे

- **भारत को न्यूजीलैंड के बाजार में 100% शुल्क-मुक्त पहुंच, जिससे निर्यात को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।**
- **न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर निवेश की प्रतिबद्धता, जबकि भारत ने कृषि और डेयरी सेक्टर को समझौते से बाहर रखा।**

भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों में सोमवार को नया अध्याय जुड़ गया, जब दोनों देशों ने ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए। पीयूष गोयल और टॉड मैक्ले की मौजूदगी में इस समझौते को अंतिम रूप दिया गया। इसे भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक और आर्थिक उपलब्धि माना जा रहा है।इस समझौते की खास बात इसकी तेज प्रक्रिया रही, जहां 16 मार्च 2025 से शुरू हुई वार्ता महज नौ महीनों में पूरी कर ली गई। एफटीए लागू होने के बाद भारत को न्यूजीलैंड के बाजार में सभी टैरिफ उत्पादों पर 100% शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जिससे भारतीय निर्यातकों को बड़ा लाभ होगा।अब तक न्यूजीलैंड भारत से निर्यात होने वाले करीब 450 उत्पादों पर 10% तक का शुल्क लगाता था, जिसे इस समझौते के तहत समाप्त कर दिया गया है। इससे कपड़ा, चमड़ा, सिरेमिक, कालीन और ऑटोमोबाइल पुर्जों जैसे क्षेत्रों के निर्यात में तेजी आने की उम्मीद है। वहीं, भारत ने भी न्यूजीलैंड से आने वाले लगभग 95% उत्पादों पर टैरिफ में छूट या कटौती की है।समझौते में निवेश को भी प्रमुख स्थान दिया गया है। न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह निवेश ढांचा यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ हुए समझौते की तर्ज पर तैयार किया गया है।साथ ही, भारत ने अपने संवेदनशील कृषि और डेयरी क्षेत्र को इस समझौते से बाहर रखा है। दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी उत्पादों और अन्य कृषि वस्तुओं पर आयात छूट नहीं दी गई है, जिससे देश के किसानों और स्थानीय उद्योगों के हित सुरक्षित रहेंगे।विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता आने वाले वर्षों में भारत के निर्यात को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में देश की भागीदारी को मजबूत करेगा। इसके साथ ही, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को भी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने का बेहतर अवसर मिलेगा। सरकार का मानना है कि इस पहल से व्यापार संतुलन में सुधार होगा और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग और अधिक गहरा होगा।

ओमान तट के पास भारतीय क्रू वाले टैंकर को रोका

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान के कोस्ट गार्ड द्वारा भारतीय क्रू वाले एक केमिकल टैंकर को रोके जाने की खबर सामने आई है। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक मनदीप सिंह रंधावा के अनुसार, 25 अप्रैल 2026 को टोगो के झंडे वाले टैंकर MT Siron से जुड़ी यह घटना शिनास के बाहरी इलाके में हुईबताया गया कि यह टैंकर अन्य जहाजों के साथ आगे बढ़ रहा था, तभी ईरानी कोस्ट गार्ड ने इसे रोक लिया और चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं। हालांकि, जहाज पर मौजूद सभी भारतीय क्रू सदस्य सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।मामले को लेकर विदेश मंत्रालय, भारतीय मिशनों और समुद्री एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा गया है। मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में मौजूद भारतीय नाविकों और समुद्री गतिविधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी ईरानी सुरक्षा बल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स द्वारा भारतीय जहाजों VLCC Sanmar Herald और Jag Arnav पर फायरिंग की जा चुकी है, जब वे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। उस दौरान भी भारत ने इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। यह घटनाएं क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव की ओर इशारा करती हैं।

मुंबई में ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्यता पर रोक

मुंबई में ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य करने के फैसले को फिलहाल छह महीने के लिए टाल दिया गया है। महाराष्ट्र सरकार ने पहले 1 मई से इस नियम को लागू करने का ऐलान किया था, लेकिन बढ़ते विरोध के बाद इसे स्थगित करने का निर्णय लिया गया। हालांकि, इस दौरान मराठी और गैर-मराठी चालकों का सत्यापन जारी रहेगा।राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पहले कहा था कि सभी ऑटो-टैक्सी चालकों को मराठी सीखना अनिवार्य होगा और ऐसा न करने पर उनके परमिट रद्द किए जा सकते हैं। इस घोषणा के बाद राज्य में मराठी बनाम गैर-मराठी विवाद फिर से उभर आया था।इस मुद्दे पर कई राजनीतिक बयान भी सामने आए। अमित ठाकरे ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा था कि मराठी अनिवार्यता का विरोध करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया जाएगा। वहीं, विपक्षी नेताओं ने भाषा के नाम पर आक्रामक रवैये का विरोध किया।इम्तियाज जलील ने कहा कि मराठी सीखना जरूरी है, लेकिन इसे जबरदस्ती या दबाव के जरिए लागू करना उचित नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि भाषा सिखाने के लिए सकारात्मक और प्रभावी तरीके अपनाए जाने चाहिए।सरकार अब ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी सिखाने हेतु प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार कर रही है। इसमें पढ़ना-लिखना नहीं, बल्कि सामान्य बोलचाल पर जोर दिया जाएगा। मुंबई मराठी साहित्य संघ और कोंकण मराठी साहित्य परिषद इस पहल में सहयोग करेंगे।

राज्यसभा में NDA मजबूत

राघव चड्ढा समेत 7 सांसद BJP में शामिल

आम आदमी पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका देते हुए राघव चड्ढा समेत सात सांसदों ने सोमवार (27 अप्रैल) को आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। इन सांसदों के शामिल होने से राज्यसभा में बीजेपी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का संख्याबल बढ़कर 148 पहुंच गया है, जबकि AAP के पास अब केवल तीन सांसद ही शेष रह गए हैं।राज्यसभा सचिवालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर सातों सांसदों के भाजपा में विलय को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इस विलय को स्वीकृति प्रदान कर दी है। अब राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी भाजपा संसदीय दल का हिस्सा बन गए हैं।दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी ने इस घटनाक्रम पर कड़ा विरोध जताया है। पार्टी नेता संजय सिंह ने राज्यसभा सभापति से मांग की कि पार्टी छोड़ने वाले सभी सात सांसदों को अयोग्य घोषित किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के जरिए विपक्षी नेताओं को दबाव में लाकर पार्टी बदलने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिसे उन्होंने लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ बताया।इस घटनाक्रम को मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जिससे राज्यसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन की स्थिति और मजबूत हो गई है।

टारगेटेड अटैक की आशंका

पाकिस्तान में LeT कमांडर शेख अफरीदी की हत्या

खैबर पख्तूनख्वा में एक अज्ञात हथियारबंद हमलावर ने लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ कमांडर शेख अफरीदी की हत्या कर दी। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक यह हमला सुनियोजित था और सुरक्षा एजेंसियां इसे 'टारगेटेड स्ट्राइक' मान रही हैं। अफरीदी को संगठन के संस्थापक हाफिज सईद का करीबी माना जाता था और वह क्षेत्र में संगठन की गतिविधियों को संचालित करने में अहम भूमिका निभा रहा था।इससे पहले 16 अप्रैल को लाहौर में LeT के सह-संस्थापक आमिर हमजा पर भी अज्ञात हमलावरों ने हमला किया था। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उनकी मौत हो गई थी। वहीं, मार्च में जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर के भाई मोहम्मद ताहिर अनवर की भी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर सामने आई थी।रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेख अफरीदी खैबर पख्तूनख्वा में लश्कर-ए-तैयबा के नेटवर्क का प्रमुख हिस्सा था और स्थानीय स्तर पर उसकी मजबूत पकड़ थी। वह संगठन के लिए भर्ती, विचारधारा के प्रसार और ऑपरेशनल गतिविधियों के समन्वय में सक्रिय भूमिका निभाता था। सुरक्षा एजेंसियों को उसके जम्मू-कश्मीर से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने का भी संदेह था।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

लद्दाख में बड़ा प्रशासनिक बदलाव, 5 नए ज़िलों के गठन को मंज़ूरी

लद्दाख में 5 नए ज़िलों—नुब्रा, शाम, चांगथांग, ज़ांस्कर और द्रास—के गठन को विनय कुमार सक्सेना ने मंज़ूरी दी। इससे ज़िलों की संख्या 7 हो गई है। यह कदम प्रशासन को मजबूत करेगा, सेवाओं की पहुंच बढ़ाएगा और विकास व रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में सोमवार को एक ऐतिहासिक फैसला लिया गया। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने क्षेत्र में पाँच नए ज़िलों के गठन के प्रस्ताव को आधिकारिक मंज़ूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद अब लद्दाख में ज़िलों की कुल संख्या दो (लेह और कारगिल) से बढ़कर सात हो गई है, जिसे क्षेत्र के विकास की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। नए बनाए गए ज़िलों में नुब्रा, शाम, चांगथांग, ज़ांस्कर और द्रास शामिल हैं। इन क्षेत्रों के लोगों की लंबे समय से यह मांग रही थी कि प्रशासन को और प्रभावी बनाने के लिए नए ज़िले बनाए जाएं, ताकि शासन सीधे लोगों तक पहुंचे और विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इस फैसले की जानकारी देते हुए इसे "लद्दाख के लिए ऐतिहासिक दिन" बताया। उन्होंने कहा कि पाँच नए ज़िलों के गठन से लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी और यह निर्णय क्षेत्र के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि अब लद्दाख प्रशासनिक रूप से अधिक सक्षम और सशक्त बनकर उभरेगा। इस प्रस्ताव को पहले ही अगस्त 2024 में गृह मंत्रालय (MHA) से मंजूरी मिल चुकी थी। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विकसित और समृद्ध लद्दाख" के विज़न के अनुरूप बताया जा रहा है। सरकार का मानना है कि प्रशासनिक पुनर्गठन से न केवल शासन को गति मिलेगी, बल्कि लोगों तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं की पहुंच भी बेहतर होगी। उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि नए ज़िलों के गठन से प्रशासन का विकेंद्रीकरण होगा, जिससे स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज़ और प्रभावी बनेगी। खासकर दूरदराज और दुर्गम इलाकों में रहने वाले लोगों को अब सरकारी सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि इससे क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलेगी और प्रशासनिक जवाबदेही बढ़ेगी। इसके अलावा, इस फैसले से रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी खुलने की उम्मीद है। छोटे-छोटे प्रशासनिक इकाइयों के बनने से स्थानीय स्तर पर बुनियादी ढांचे का विकास होगा, जिससे युवाओं को रोजगार के नए विकल्प मिलेंगे। पर्यटन, कृषि और स्थानीय उद्योगों को भी इससे बढ़ावा मिलने की संभावना है।अंत में, उपराज्यपाल ने यह विश्वास जताया कि यह निर्णय लद्दाख के लोगों के लिए एक उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर नागरिक तक विकास का लाभ पहुंचे और क्षेत्र को एक मजबूत, आत्मनिर्भर और प्रगतिशील इकाई के रूप में स्थापित किया जाए।

चीन ने पेश किया एडवांस स्वार्म ड्रोन सिस्टम

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भविष्य के युद्धों की प्रकृति तेजी से बदल रही है, और हाल के संघर्षों ने यह संकेत दिया है कि ड्रोन तकनीक आने वाले समय में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। खासकर "स्वार्म ड्रोन" यानी झुंड में काम करने वाले ड्रोन, युद्ध के मैदान में नई रणनीतिक बढ़त दे रहे हैं। इसी दिशा में चीन ने अपना नया "एटलस स्वार्म ड्रोन सिस्टम" पेश किया है, जिसे भारत समेत कई देशों के लिए संभावित चुनौती माना जा रहा है।स्वार्म ड्रोन का अर्थ है बड़ी संख्या में छोटे-छोटे ड्रोन का एक साथ हमला करना। यह रणनीति दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को भ्रमित कर देती है, क्योंकि वह तय नहीं कर पाता कि पहले किस लक्ष्य को निशाना बनाया जाए। इसी दौरान कई ड्रोन अपने मिशन को पूरा कर लेते हैं, जिससे सुरक्षा तंत्र कमजोर पड़ सकता है। चीन का एटलस सिस्टम एक मोबाइल प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिसे ट्रक के जरिए युद्ध क्षेत्र में तैनात किया जा सकता है। इसमें ड्रोन लॉन्चिंग और नियंत्रण की पूरी व्यवस्था एक ही यूनिट में होती है। यह सिस्टम एक साथ 96 छोटे और मध्यम आकार के तेज ड्रोन लॉन्च कर सकता है, जिनके बीच लॉन्च का अंतर तीन सेकंड से भी कम होता है। यानी कुछ ही मिनटों में पूरा झुंड हवा में तैनात हो सकता है। एटलस सिस्टम में तीन प्रमुख इकाइयां होती हैं—कॉम्बैट व्हीकल, कमांड व्हीकल और सपोर्ट व्हीकल।

भारत-न्यूज़ीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, 100% ड्यूटी-फ्री एक्सपोर्ट का रास्ता खुला

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच एक महत्वपूर्ण आर्थिक समझौते के तहत फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसे दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस समझौते पर भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूज़ीलैंड के ट्रेड एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के तहत न्यूज़ीलैंड ने भारत के 100 प्रतिशत निर्यात को ड्यूटी-फ्री एक्सेस देने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि भारत से भेजे जाने वाले सभी उत्पादों पर आयात शुल्क नहीं लगेगा, जिससे भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। विशेष रूप से टेक्सटाइल, रेडीमेड गारमेंट्स, लेदर, फुटवियर, जेम्स एंड ज्वेलरी, इंजीनियरिंग गुड्स और प्रोसेस्ड फूड जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को इसका बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। इस समझौते से भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSMEs) को नया बाजार मिलेगा, जिससे निर्यात में वृद्धि और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा, यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापारिक बाधाओं को कम करेगा और प्रक्रियाओं को सरल बनाएगा। मंत्री पीयूष गोयल ने इस समझौते को "फॉरवर्ड-लुकिंग" बताते हुए कहा कि इससे भारत में लगभग 20 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि यह समझौता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवाओं, निवेश, नवाचार, कृषि उत्पादकता और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग को मजबूत करेगा। इसके अलावा, इस एग्रीमेंट से स्किल्ड प्रोफेशनल्स और छात्रों के लिए भी नए अवसर खुलेंगे, जिससे दोनों देशों के बीच प्रतिभा और ज्ञान का आदान-प्रदान बढ़ेगा। कुल मिलाकर, यह समझौता भारत और न्यूज़ीलैंड के आर्थिक रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले जाने वाला कदम माना जा रहा है।

व्हाइट हाउस डिनर फायरिंग पर बराक ओबामा की कड़ी प्रतिक्रिया

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी की घटना पर पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस हिंसक घटना की निंदा करते हुए कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक समाज में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। साथ ही, उन्होंने मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों, खासकर यूएस सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों की बहादुरी और त्वरित कार्रवाई की सराहना की। यह घटना एक हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के दौरान हुई, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों के अनुसार सभी प्रमुख अतिथि सुरक्षित हैं, हालांकि स्थिति को नियंत्रित करने के दौरान एक सीक्रेट सर्विस अधिकारी घायल हो गया, जिसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। ओबामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए कहा कि हमले के पीछे के मकसद की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन समाज के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम हिंसा को पूरी तरह अस्वीकार करें। उन्होंने कहा कि यह घटना सुरक्षा एजेंसियों की प्रतिबद्धता और बलिदान की भी याद दिलाती है। इस मामले में गिरफ्तार आरोपी की पहचान कैलिफ़ोर्निया के 31 वर्षीय कोल थॉमस एलन के रूप में हुई है। जांच एजेंसियों के अनुसार, उसने हमले से कुछ मिनट पहले अपने परिवार को कई चिंताजनक संदेश भेजे थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उसने खुद को "संघीय हत्यारा" बताते हुए अपने इरादों का संकेत दिया था। अधिकारियों का मानना है कि इन संदेशों में राजनीतिक असंतोष झलकता है, जिसमें हालिया सरकारी नीतियों और कार्रवाइयों को लेकर नाराजगी व्यक्त की गई थी। फिलहाल एजेंसियां हमले के पीछे की मंशा और संभावित कारणों की गहराई से जांच कर रही हैं, जबकि इस घटना ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था और राजनीतिक हिंसा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ट्रंप इवेंट में गोलीबारी, शूटर की लिस्ट ने बढ़ाई सुरक्षा चिंता

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

वॉशिंगटन डीसी में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन डिनर के दौरान उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक गोलीबारी की घटना सामने आई। बताया जा रहा है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे और मीडिया के साथ तीखे अंदाज़ में बातचीत की तैयारी कर रहे थे, तभी यह हमला हुआ। घटना के तुरंत बाद सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रंप, फर्स्ट लेडी और उपराष्ट्रपति समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। हमलावर की पहचान 31 वर्षीय कोल थॉमस एलन के रूप में हुई है, जो तीन हथियारों—दो हैंडगन और एक शॉटगन—के साथ कार्यक्रम स्थल वॉशिंगटन हिल्टन पहुंचा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एलन ने हमले से कुछ मिनट पहले अपने परिवार को एक मैनिफेस्टो भेजा था, जिसमें उसने हमले की योजना और अपने संभावित निशानों का जिक्र किया था। इस सूची में ट्रंप प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। हालांकि, हैरानी की बात यह रही कि काश पटेल का नाम इस सूची में नहीं था। एलन ने उन्हें क्यों बाहर रखा, इसका कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। मैनिफेस्टो में एलन ने अपने हमले को वैचारिक रूप से सही ठहराने की कोशिश की और विभिन्न उदाहरणों का हवाला देते हुए अपने कृत्य को उचित बताया। उसने यह भी लिखा कि वह अधिकतम नुकसान पहुंचाने के बजाय सीमित हताहतों का प्रयास करेगा, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर बड़े पैमाने पर हिंसा करने से भी पीछे नहीं हटेगा। इस घटना ने एक बार फिर अमेरिका में उच्च-स्तरीय आयोजनों की सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ते उग्रवादी रुझानों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां मामले की गहन जांच में जुटी हैं और हमले के पीछे की मंशा और संभावित नेटवर्क की तलाश कर रही हैं।

संपादक की कलम से

भ्रष्टाचार आज भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के अनेक देशों के लिए एक गंभीर समस्या बन चुका है। यह एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो किसी भी राष्ट्र की प्रगति को अंदर ही अंदर खोखला कर देती है। चाहे सरकारी कार्यालय हों, शिक्षा व्यवस्था हो या निजी क्षेत्र—भ्रष्टाचार ने लगभग हर क्षेत्र में अपनी जड़ें फैला ली हैं। भ्रष्टाचार का अर्थ केवल रिश्वत लेना या देना ही नहीं है, बल्कि अपने पद और अधिकारों का गलत उपयोग करना भी इसी के अंतर्गत आता है। जब कोई अधिकारी या कर्मचारी अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए नियमों और कानूनों की अनदेखी करता है, तो यह सीधे तौर पर समाज और राष्ट्र दोनों के साथ अन्याय होता है। आज कई सरकारी योजनाएँ गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए बनाई जाती हैं, लेकिन भ्रष्टाचार के कारण उनका लाभ सही व्यक्ति तक नहीं पहुँच पाता। बीच में ही धन का दुरुपयोग हो जाता है, जिससे योजनाओं का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। यही कारण है कि विकास की गति धीमी हो जाती है और जनता में असंतोष बढ़ता है। भ्रष्टाचार के कई कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण है नैतिक मूल्यों में गिरावट। जब व्यक्ति केवल धन और स्वार्थ को ही जीवन का लक्ष्य मान लेता है, तो वह गलत रास्ता अपनाने से भी नहीं हिचकिचाता। इसके अलावा, सख्त कानूनों के बावजूद उनका सही ढंग से पालन न होना भी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर पारदर्शिता की कमी भी इस समस्या को बढ़ाती है। जब निर्णय लेने की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होती, तो भ्रष्टाचार के अवसर स्वतः ही बढ़ जाते हैं। साथ ही, आम जनता में जागरूकता की कमी भी एक बड़ा कारण है, क्योंकि कई बार लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने से डरते हैं या उदासीन रहते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए सबसे पहले नैतिक शिक्षा को मजबूत करना आवश्यक है। बच्चों को प्रारंभ से ही ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों का महत्व समझाया जाना चाहिए। शिक्षा प्रणाली में इन मूल्यों को शामिल करना समय की आवश्यकता है। सरकार को भी पारदर्शिता बढ़ाने के लिए तकनीक का अधिक उपयोग करना चाहिए। डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन सेवाएँ और ई-गवर्नेंस जैसे कदम भ्रष्टाचार को काफी हद तक कम कर सकते हैं। इसके साथ ही, भ्रष्टाचार के मामलों में कठोर दंड का प्रावधान होना चाहिए ताकि लोग गलत कार्य करने से डरें। आम जनता की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि समाज स्वयं भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूक और संगठित हो जाए, तो इस समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। हमें यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार केवल सरकार की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि भ्रष्टाचार विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा है। यदि हमें एक मजबूत, पारदर्शी और विकसित राष्ट्र का निर्माण करना है, तो हमें मिलकर इस बुराई के खिलाफ संघर्ष करना होगा। ईमानदारी और नैतिकता ही वह आधार हैं जिन पर एक सशक्त राष्ट्र की नींव रखी जा सकती है।

बंगाल में मेरी आखिरी चुनावी रैली, अब सीधे शपथग्रहण में आऊंगा: नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में आखिरी रैली में भाजपा की जीत का भरोसा जताया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर विकास, उद्योग और महिला सुरक्षा में विफल रहने का आरोप लगाया तथा 'डबल-इंजन सरकार' के जरिए तेज विकास और बेहतर शासन का वादा किया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में ज़ोरदार चुनाव प्रचार किया। बैरकपुर में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने इसे राज्य में अपना अंतिम चुनावी कार्यक्रम बताया और पार्टी की जीत को लेकर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद वह भाजपा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए दोबारा पश्चिम बंगाल आएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, "यह इस चुनाव में मेरी आखिरी रैली है। मैं इस विश्वास के साथ लौट रहा हूं कि 4 मई के नतीजों के बाद मैं भाजपा के शपथ ग्रहण समारोह में ज़रूर शामिल होऊंगा।" उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि हेलीपैड से सभा स्थल तक लगभग दो किलोमीटर के रास्ते में दोनों ओर भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। उन्होंने कहा कि इतनी सुबह बड़ी संख्या में लोगों का आशीर्वाद देने के लिए आना उनके उत्साह को और बढ़ाता है। अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री ने सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी के शासनकाल में राज्य में औद्योगिक गतिविधियां ठप हो गई हैं और कई फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास विकास के लिए कोई स्पष्ट योजना या रोडमैप नहीं है, जिससे पश्चिम बंगाल की प्रगति प्रभावित हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने "डबल-इंजन सरकार" की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा कि राज्य और केंद्र में एक ही पार्टी की सरकार होने से विकास कार्यों को गति मिलती है। उन्होंने दावा किया कि यदि भाजपा की सरकार बनती है, तो पश्चिम बंगाल में निवेश बढ़ेगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास होगा। टीएमसी पर निशाना साधते हुए उन्होंने "सिंडिकेट सिस्टम" का भी मुद्दा उठाया। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि इस व्यवस्था के कारण आम लोगों और व्यवसायियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर इस प्रणाली को समाप्त किया जाएगा और पारदर्शी शासन सुनिश्चित किया जाएगा। महिला मतदाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने टीएमसी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी महिलाओं के विश्वास पर खरी नहीं उतरी है और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति कमजोर हुई है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे मतदान करते समय इन मुद्दों पर विचार करें और सही निर्णय लें।अपने भाषण के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने मतदाताओं से टीएमसी शासन के दौरान हुई कथित अनियमितताओं, डराने-धमकाने की घटनाओं और "गाली-गलौज की राजनीति" को याद रखने की अपील की। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार जनता बदलाव के पक्ष में मतदान करेगी और पश्चिम बंगाल में एक नई सरकार का गठन होगा।

जगदीप धनखड़ ने 7 आप सांसदों के भाजपा में विलय को दी मंजूरी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राज्यसभा में एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के तहत सभापति जगदीप धनखड़ ने आम आदमी पार्टी (आप) के सात सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय को स्वीकार कर लिया है। इस फैसले के साथ ही उच्च सदन में भाजपा की संख्या बढ़कर 113 हो गई है, जबकि आप के सांसदों की संख्या घटकर केवल तीन रह गई है। वहीं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की कुल संख्या 141 से बढ़कर 148 तक पहुंच गई है। राज्यसभा सचिवालय द्वारा दलों की स्थिति अपडेट किए जाने के बाद यह बदलाव आधिकारिक रूप से दर्ज हो गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब हाल ही में राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया गया था। इसके बाद उन्होंने छह अन्य सांसदों—स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी—के साथ आप से अलग होकर भाजपा में विलय का निर्णय लिया। सूत्रों के अनुसार, इन सभी सांसदों ने सभापति को पत्र लिखकर खुद को भाजपा सांसद के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया था, जिसे मंजूरी दे दी गई। दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी ने इस घटनाक्रम का विरोध किया है। पार्टी के नेता संजय सिंह ने सभापति को पत्र लिखकर दल बदल करने वाले सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि यह कदम लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। इससे पहले राघव चड्ढा ने एक प्रेस वार्ता में कहा था कि राज्यसभा में आप के दो-तिहाई सदस्यों ने संवैधानिक प्रावधानों के तहत भाजपा में विलय का फैसला किया है। वर्ष के अंत तक 30 से अधिक सीटें खाली होने से भाजपा को और लाभ मिल सकता है, जिससे वह दो-तिहाई बहुमत के करीब पहुंच सकती है। अपने फैसले पर उठ रहे सवालों के बीच चड्ढा ने कहा कि उन्होंने 15 साल पार्टी को दिए, लेकिन अब पार्टी का माहौल बदल गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यसंस्कृति विषाक्त हो गई है और असहमति की गुंजाइश नहीं रही, जिसके चलते उन्होंने नया राजनीतिक रास्ता चुना।

दूसरे चरण से पहले ममता का बड़ा दावा, जीत को लेकर जताया भरोसा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पक्ष में ज़ोरदार प्रचार करते हुए जीत का दावा किया है। सोमवार को दिए गए अपने बयान में उन्होंने कहा कि 'माँ-माटी-मानुष' की जीत अब केवल अनुमान नहीं, बल्कि समय की बात है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने रविवार को आयोजित पदयात्रा के दौरान लोगों से मिले जबरदस्त समर्थन और उत्साह के लिए आभार जताया। माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म X पर एक विस्तृत पोस्ट में उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल हमेशा से सद्भाव, संस्कृति और सभ्यतागत गौरव का प्रतीक रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी जैसी "फूट डालने वाली और विनाशकारी ताकतों" के लिए राज्य में कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को जनता से वही जवाब मिलेगा जिसकी वह हकदार है। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी सरकार की विकास योजनाओं ने राज्य के हर हिस्से को छुआ है और कोई भी ताकत इस प्रगति को रोक नहीं सकती। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएँ आम लोगों के लिए "सुरक्षा कवच" का काम कर रही हैं और इन्हें कोई भी छीन नहीं सकता। भवानीपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहीं ममता बनर्जी ने विश्वास जताया कि राज्य की जनता विकास, शांति और प्रगति के पक्ष में मतदान करेगी। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे 29 अप्रैल को 'जोड़ाफूल' (टीएमसी का चुनाव चिह्न) के पक्ष में वोट दें और 'माँ-माटी-मानुष' के उम्मीदवारों को विजयी बनाएं।गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को संपन्न हुआ था, जिसमें 93 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। दूसरे चरण के लिए प्रचार अभियान अब अंतिम दौर में पहुंच चुका है, जहां सभी राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने में जुटे हैं।

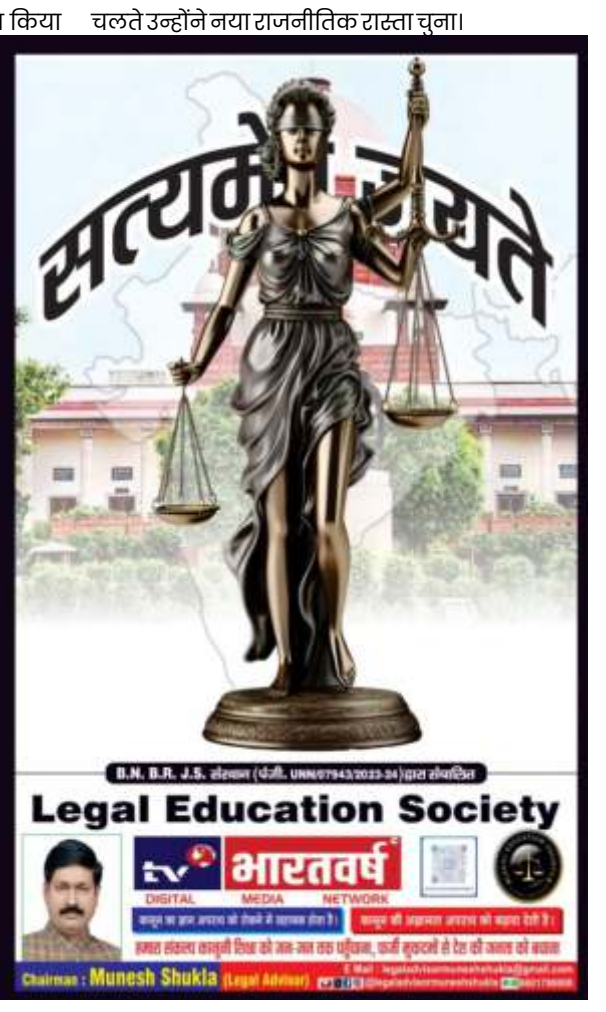

आधार का गलत इस्तेमाल अब नहीं छिपेगा,

मिनटों में जानें कहां और कब हुआ उपयोग

आज के डिजिटल युग में आधार कार्ड भारत में सबसे महत्वपूर्ण पहचान दस्तावेजों में से एक बन चुका है। बैंकिंग सेवाओं से लेकर मोबाइल सिम लेने, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं तक, लगभग हर जगह आधार का उपयोग किया जाता है। ऐसे में इसकी सुरक्षा और सही उपयोग को समझना बेहद जरूरी हो जाता है, क्योंकि इसका गलत इस्तेमाल किसी व्यक्ति के लिए गंभीर समस्याएं खड़ी कर सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं, जिनकी मदद से कोई भी नागरिक यह आसानी से पता कर सकता है कि उसका आधार कार्ड कब और कहां इस्तेमाल हुआ है। यह सुविधा उपयोगकर्ताओं को अपने डेटा पर नियंत्रण रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की पहचान करने में मदद करती है। आधार की ऑथेंटिकेशन हिस्ट्री जांचने के लिए सबसे आसान तरीका mAadhaar मोबाइल ऐप का उपयोग करना है। इसके लिए सबसे पहले अपने स्मार्टफोन में mAadhaar ऐप डाउनलोड करें और इसे ओपन करें। ऐप खोलने के बाद स्क्रीन पर स्वाइप करने पर कई विकल्प दिखाई देंगे। इनमें से "Auth History" (ऑथेंटिकेशन हिस्ट्री) विकल्प का चयन करें। इसके बाद आपके सामने एक विस्तृत सूची खुल जाएगी, जिसमें यह जानकारी होगी कि आपका आधार कार्ड कब, कहां और किस समय उपयोग किया गया। इस सूची की मदद से आप आसानी से यह पहचान सकते हैं कि कहीं आपके आधार का उपयोग बिना आपकी जानकारी के तो नहीं हुआ। यदि किसी संदिग्ध गतिविधि का पता चलता है, तो तुरंत आवश्यक कदम उठाए जा सकते हैं, जैसे कि आधार बायोमेट्रिक लॉक करना या संबंधित अधिकारियों को सूचित करना। mAadhaar ऐप केवल ऑथेंटिकेशन हिस्ट्री देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कई अन्य उपयोगी और सुरक्षा से जुड़े फीचर्स भी उपलब्ध हैं। उदाहरण के लिए, आप ऐप के माध्यम से अपना आधार QR कोड आसानी से साझा कर सकते हैं, जिससे आपको हर समय फिजिकल कार्ड साथ रखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके अलावा, बायोमेट्रिक लॉक और अनलॉक की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे आपकी व्यक्तिगत जानकारी और अधिक सुरक्षित रहती है। इस प्रकार, आधार से जुड़ी इन सुविधाओं का सही उपयोग न केवल आपकी पहचान को सुरक्षित रखता है, बल्कि आपको डिजिटल सेवाओं का सुरक्षित और सहज अनुभव भी प्रदान करता है। इसलिए समय-समय पर अपने आधार की गतिविधियों की जांच करना और सुरक्षा उपायों को अपनाना हर नागरिक की जिम्मेदारी होनी चाहिए।

रग्बी प्रीमियर लीग में पहली बार महिला टूर्नामेंट, जून में होगा आयोजन

रग्बी प्रीमियर लीग (RPL) में इस साल एक ऐतिहासिक पहल के तहत पहली बार महिला टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की, जिसके अनुसार यह प्रतियोगिता जून 2026 में आयोजित होगी। यह कदम भारत में महिला रग्बी को बढ़ावा देने और खेल में लैंगिक समानता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। महिला टूर्नामेंट में चार फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें चेन्नई बुल्स, दिल्ली रेड्ज, मुंबई ड्रीमर्स और कोलकाता बंगा टाइगर्स शामिल हैं। ये टीमें लीग में भाग लेने वाली छह पुरुष फ्रेंचाइजी में से चार की ओर से मैदान में उतरेंगी। टूर्नामेंट का आयोजन 16 से 28 जून के बीच गाचीबाउली स्टेडियम, हैदराबाद में किया जाएगा। इस लीग का आयोजन जीएमआर स्पोर्ट्स द्वारा रग्बी इंडिया के सहयोग से किया जा रहा है। महिला टूर्नामेंट के साथ-साथ पुरुष वर्ग में भी मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें छह टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें हैदराबाद हीरोज और बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स जैसी टीमें शामिल हैं। चार महिला और छह पुरुष टीमों के लिए खिलाड़ियों का ड्राफ्ट और नीलामी 30 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। इससे टीमों को अपने-अपने स्क्वॉड को मजबूत करने का मौका मिलेगा और लीग के स्तर को और ऊंचा उठाने में मदद मिलेगी। रग्बी प्रीमियर लीग का पहला संस्करण पिछले वर्ष मुंबई में आयोजित किया गया था, जिसे काफी सराहना मिली थी। महिला टूर्नामेंट की शुरुआत पर राहुल बोस ने खुशी जताते हुए कहा कि यह लंबे समय से देखा गया सपना था, जो अब साकार हो रहा है।

'ऑब्स्ट्रक्शन द फील्ड' विवाद में फंसे KKR बल्लेबाज,

अनुशासनहीनता पर कार्रवाई

पीवी सिंधू ने BWF परिषद में संभाली नई जिम्मेदारी,

खिलाड़ियों की आवाज बनने का वादा

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) की परिषद के सदस्य के रूप में अपना कार्यकाल शुरू कर दिया है। इस नई भूमिका में उन्होंने दुनिया भर के खिलाड़ियों के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने और उनके हितों की रक्षा करने का संकल्प लिया है। सिंधू का यह कदम उनके शानदार खेल करियर के साथ-साथ प्रशासनिक जिम्मेदारियों की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। सिंधू को दिसंबर में BWF खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष चुना गया था, जिसके बाद उन्हें परिषद में पूर्ण मतदान का अधिकार मिला। उन्होंने 25 अप्रैल को आयोजित वार्षिक आम बैठक में पहली बार भाग लेकर अपने कार्यकाल की औपचारिक शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए सम्मान और गर्व की बात है। उन्होंने कहा, "बैडमिंटन ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अब मुझे इस खेल की सेवा करने का एक नया अवसर मिला है। मैं पूरी दुनिया के खिलाड़ियों की आवाज बनने की कोशिश करूंगी।" सिंधू ने यह भी संकेत दिया कि वह खिलाड़ियों से जुड़े मुद्दों जैसे प्रतियोगिताओं की संरचना, प्रशिक्षण सुविधाएं और कल्याण योजनाओं पर विशेष ध्यान देंगी। विश्व बैडमिंटन महासंघ की परिषद बैडमिंटन के वैश्विक संचालन और रणनीतिक दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाती है।

जीत के बाद रिंकू सिंह का फैमिली मोमेंट वायरल,

सुनील नारायण से कराई खास मुलाकात

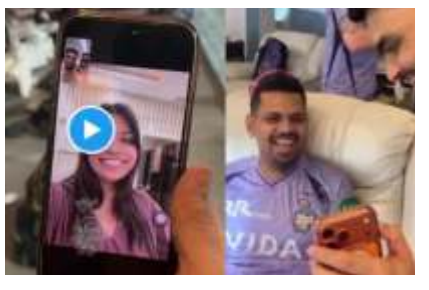

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की लखनऊ सुपर जाएंट्स पर शानदार जीत के बाद टीम का माहौल जश्न से भर गया। इस जीत के बाद केकेआर के स्टार खिलाड़ी रिंकू सिंह का एक भावुक और मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने परिवार को टीम के दिग्गज खिलाड़ी सुनील नारायण से मिलवाते नजर आ रहे हैं। मैच के बाद जब सभी खिलाड़ी होटल में आराम कर रहे थे, उसी दौरान रिंकू सिंह को घर से उनकी मां और बहन का वीडियो कॉल आया। रिंकू ने इस मौके को खास बनाते हुए अपने परिवार का परिचय सुनील नारायण से करवाया। वीडियो में एक मजेदार पल तब आया जब रिंकू की बहन ने नारायण को "भैया" कहकर संबोधित कर दिया। इस पर रिंकू ने हंसते हुए कहा कि वह हिंदी नहीं समझेंगे, इसलिए उन्हें "ब्रदर" कहकर बुलाओ। हालांकि, कुछ ही देर बाद उनकी बहन फिर से "भैया" कह बैठीं और बोलीं, "भैया, आपने बहुत अच्छी बॉलिंग की।" इस पर रिंकू और नारायण दोनों हंस पड़े। रिंकू ने नारायण को इसका अनुवाद करके बताया, जिसके जवाब में नारायण ने मुस्कुराते हुए धन्यवाद कहा। इसके बाद रिंकू ने अपनी मां से भी नारायण की बातचीत करवाई, जहां कैरेबियन खिलाड़ी ने हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। मैच की बात करें तो केकेआर की इस जीत में रिंकू सिंह का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में नाबाद 83 रन की बेहतरीन पारी खेली और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

पंजाब किंग्स की अजेय रफ्तार पर ब्रेक लगाने उतरेगी राजस्थान रॉयल्स, रियान पराग पर नजर

आईपीएल 2026 में मंगलवार को होने वाले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के सामने बड़ी चुनौती होगी, जब वह शानदार फॉर्म में चल रही पंजाब किंग्स से भिड़ेगी। लगातार कुछ मैचों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली राजस्थान की टीम के लिए यह मुकाबला बेहद अहम माना जा रहा है। राजस्थान के कप्तान रियान पराग इस सीजन में बल्ले से संघर्ष करते नजर आए हैं। उन्होंने अब तक आठ पारियों में केवल 88 रन बनाए हैं, जिससे टीम के मध्यक्रम पर दबाव बढ़ा है। ऐसे में पंजाब जैसी मजबूत टीम के खिलाफ उन्हें आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभानी होगी। दूसरी ओर, पंजाब किंग्स ने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है। मुख्य कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में टीम ने नई ऊर्जा के साथ खेल दिखाया है। पंजाब ने सात मैचों में छह जीत दर्ज की हैं, जबकि एक मुकाबला बारिश के कारण रद्द हुआ। टीम की सलामी जोड़ी प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कई मैचों में मजबूत शुरुआत दिलाई है। हाल ही में दिल्ली के खिलाफ 265 रन का बड़ा लक्ष्य हासिल करना पंजाब की बल्लेबाजी ताकत को दर्शाता है। हालांकि, गेंदबाजी में कुछ कमजोरियां भी सामने आई हैं, लेकिन बल्लेबाजों ने उसे काफी हद तक कवर किया है। अपने घरेलू मैदान पर यह पंजाब का आखिरी मैच होगा, जिससे टीम जीत के साथ इसे यादगार बनाना चाहेगी। वहीं, राजस्थान रॉयल्स ने टूर्नामेंट की शुरुआत शानदार की थी, लेकिन अब टीम अपनी लय खोती दिख रही है। पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 239 रन का स्कोर भी बचा नहीं पाई, जिससे उसकी फील्डिंग और गेंदबाजी पर सवाल उठे हैं। यह मुकाबला शाम 7:30 बजे शुरू होगा और दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है—एक तरफ पंजाब अपनी जीत की लय बनाए रखना चाहेगी, वहीं राजस्थान वापसी की कोशिश करेगी।

लाइफ जैकेट को पहनकर ही जिंदा बची थी महिला

टाइटेनिक जैकेट की करोड़ों में बोली

टाइटेनिक हादसे में बची एक महिला की लाइफ जैकेट एक ऐतिहासिक नीलामी में 900,000 डॉलर से अधिक यानी 8 करोड़ रुपये से भी ज्यादा रुपये में बिकी. इसे 'वंस इन जेरेशन' सेल कहा गया.

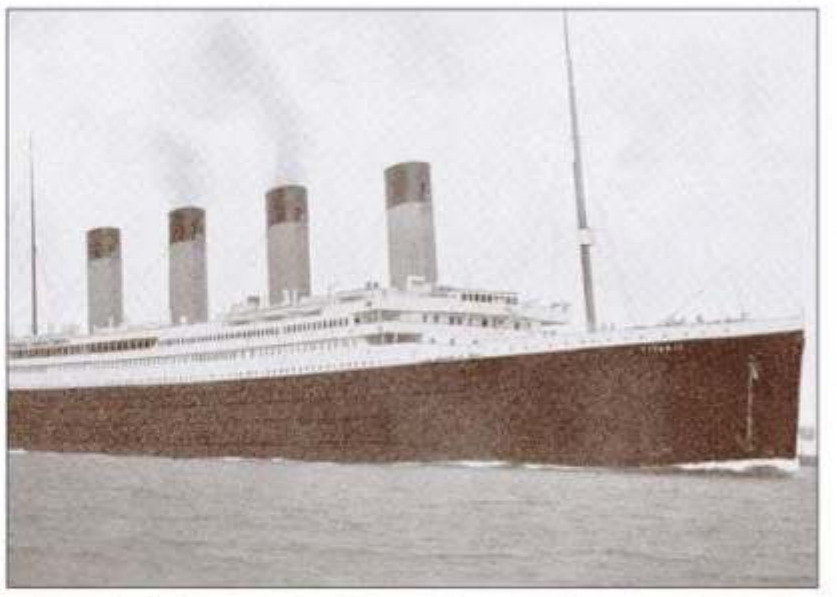

टाइटेनिक एक ऐसा जहाज था, जिसके बारे में कहा जाता था कि वह कभी नहीं डूब सकता. फिर भी यह एक आइसबर्ग से टकराकर डूब गया और इस पर सवार करीब 2200 यात्रियों में सिर्फ 700 लोग बच पाए थे. पिछले दिनों टाइटेनिक दुर्घटना में बचने वाली एक सौभाग्यशाली महिला यात्री की लाइफ जैकेट की नीलामी हुई. इस ऑक्शन में लाइफ जैकेट के लिए 670,000 पाउंड (लगभग 904,500 डॉलर) यानी 8 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की अंतिम बोली लगी. इसे 'वंस इन जेरेशन' सेल कहा गया.

सीएनन की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के नीलामी घर हेनरी एल्ड्रिज एंड सन के अनुसार, लाइफ जैकेट की कीमत 250,000 पाउंड (339,000 डॉलर) और 350,000 पाउंड (474,000 डॉलर) के बीच रहने की उम्मीद थी. 1912 में हुई टाइटेनिक त्रासदी में बचे किसी यात्री की एकमात्र ऐसी जैकेट है जिसे नीलामी के लिए पेश किया गया.

इस जैकेट को लॉरा मेबल फ्रांकाटेली ने पहना था, जो उस ऐतिहासिक जहाज की फर्स्ट क्लास की यात्री थीं, जो 114 साल पहले अटलांटिक महासागर में डूबा था. जब आरएमएस टाइटेनिक ने 10 अप्रैल, 1912 को अपनी यात्रा शुरू की, तो वह सर्विस में मौजूद सबसे बड़ा यात्री जहाज था और उसे 'अभेद्य' माना जाता था, जो टूट नहीं सकता था और दावा था कि डूब भी नहीं सकता था.

दुर्भाग्य से महज चार दिन बाद, टाइटेनिक की पहली यात्रा एक भयंकर त्रासदी में बदल गई. जब 14 अप्रैल की रात 11:40 बजे उत्तरी अटलांटिक में जहाज एक हिमखंड से टकरा गया. तीन घंटे से भी कम समय में पूरा जहाज समुद्र की गहराइयों में समा गया था. इस जहाज पर सवार लगभग 2,220 लोगों के लिए पर्याप्त लाइफबोट नहीं थे. इस वजह से केवल 700 लोग ही जीवित बच पाए. फ्रांकाटेली, फैशन डिजाइनर लूसी डफ गॉर्डन की सचिव थीं और अपने बॉस और उनके पति कॉस्मो डफ गॉर्डन के साथ शिकागो जा रही थीं. ⊙

मेट्रो में शख्स की अजीबोगरीब हरकतें

दिल्ली मेट्रो अब रील्स का हॉटस्पॉट बनता जा रहा है. यहां हर दिन लोगों की अजीब हरकतों के वीडियो वायरल हो रहे हैं. ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक मेट्रो कोच के अंदर 'तेरी दीवानी' गाने पर डांस करता नजर आ रहा है. इस वीडियो ने इंटरनेट पर लोगों को एक साथ हंसी और सवाल, दोनों दे दिए हैं. भीड़भाड़ वाली सार्वजनिक जगहों पर इस तरह के परफॉर्मेंस को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है. यह क्लिप इंस्टाग्राम यूजर स्वास्तिक ने शेयर की गई है. ⊙

भूखा मगरमच्छ रेस्टोरेंट में घुसा

देखते ही भागे कस्टमर और स्टाफ

इंटरनेट पर हर दिन कुछ न कुछ चौंकाने वाला वीडियो वायरल होता रहता है. इन दिनों एक ऐसा ही फुटेज चर्चा का विषय बना हुआ है. इसमें एक भूखा मगरमच्छ सीधे एक रेस्टोरेंट में घुसता नजर आ रहा है. मगरमच्छ को देखते ही वहां खाना खा रहे लोग और स्टाफ छिप गए.

वायरल हो रहा यह वीडियो जिम्बाब्वे का बताया गया है. द सन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जब जिम्बाब्वे के एक रेस्टोरेंट में कस्टमर और स्टाफ ने मगरमच्छ को आते देखा तो छिपने के लिए सभी जगह ढूंढने लगे और देखते ही देखते रेस्टोरेंट खाली हो गया. इस घटना को वहां मौजूद कुछ लोगों ने कैमरे में कैद कर लिया.

कैमरे की अस्थिर फुटेज में दिखाई दे रहा है कि मगरमच्छ धीरे-धीरे लॉबी के फर्श पर चलकर स्टाफ एरिया की ओर बढ़ता है. ⊙

अब जापान में खोलने जा रही स्टॉल

जापानी महिला को पानी पूरी से हुआ प्यार

भारत का खाना सिर्फ स्वाद के लिए ही नहीं, बल्कि अपने अलग अंदाज के लिए भी दुनियाभर में मशहूर है. जो भी विदेशी भारत आते हैं, वे यहां की संस्कृति के साथ-साथ स्ट्रीट फूड का स्वाद जरूर लेते हैं. खासकर पानी पूरी तो ऐसा स्नैक है, जिसे एक बार खाने के बाद भूल पाना मुश्किल होता है. अब एक जापानी महिला की कहानी इसी बात को साबित कर रही है, जो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. हर्मेंस नाम की इस जापानी महिला को भारत का पानी पूरी इतना पसंद आ गया कि अब वह इसे अपने देश जापान में बेचने का प्लान बना रही हैं.

शुरुआत में उन्होंने इसे सिर्फ एक बार ट्राई किया था, लेकिन धीरे-धीरे यह उनका फेवरेट स्नैक बन गया. अब हालत यह है कि वह हफ्ते में कई बार पानी पूरी खाती हैं और इसके बिना रहना उनके लिए मुश्किल हो गया है. हर्मेंस ने अपने अनुभव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शेयर किए, जहां लोगों ने उनकी कहानी को खूब पसंद किया. उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार पानी पूरी खाई, तो उन्हें इसका स्वाद बिल्कुल अलग और मजेदार लगा—खट्टा, मीठा और तीखा, सब कुछ एक साथ. यही वजह है कि वह बार-बार इसे खाने लगीं. दिलचस्प बात यह है कि हर्मेंस के पति, जो आमतौर पर नए या विदेशी खाने से बचते हैं, वे भी पानी पूरी के दीवाने हो गए हैं.

हर्मेंस ने मजाक में कहा कि उनके पति तो अब अक्सर पानी पूरी के बारे में सोचते रहते हैं. इससे साफ पता चलता है कि भारतीय खाने का स्वाद किसी भी देश के लोगों को आसानी से पसंद आ सकता है. ⊙

बॉबी देओल की 'बंदर' 5 जून को होगी रिलीज

अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी दमदार

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म "बंदर" को लेकर निर्माताओं ने आधिकारिक घोषणा कर दी है कि यह फिल्म 5 जून को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खबर के सामने आते ही फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह काफी बढ़ गया है।फिल्म "बंदर" का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने किया है, जो अपनी अलग और दमदार कहानी कहने की शैली के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म की कहानी और पटकथा सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने मिलकर लिखी है। खास बात यह है कि यह फिल्म वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है, जिससे इसकी कहानी और भी दिलचस्प और प्रभावशाली बन जाती है।फिल्म ने अपनी रिलीज से पहले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना ली है। "बंदर" का वर्ल्ड प्रीमियर सितंबर 2025 में Toronto International Film Festival (टीआईएफएफ) में किया गया था, जो दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म महोत्सवों में से एक माना जाता है। वहां फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिससे इसकी चर्चा और भी तेज हो गई।प्रोडक्शन की बात करें तो इस फिल्म को निखिल द्विवेदी ने प्रोड्यूस किया है, जबकि इसे Z e e Studios का समर्थन प्राप्त है। मजबूत प्रोडक्शन टीम के साथ-साथ फिल्म की स्टारकास्ट भी काफी दमदार है। बॉबी देओल के अलावा इसमें सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, जीतेंद्र जोशी, सपना पब्बी, इंद्रजीत सुकुमारन, रिद्धि सेन, सबा आज़ाद और नागेश भोसले जैसे प्रतिभाशाली कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।बॉबी देओल के करियर की बात करें तो हाल के वर्षों में उन्होंने अपनी एक्टिंग से दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। "बंदर" में उनका किरदार भी काफी अलग और चुनौतीपूर्ण बताया जा रहा है, जो उनके अभिनय के नए आयाम सामने ला सकता है।इसके अलावा बॉबी देओल आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में भी नजर आने वाले हैं। वह एक्शन-थ्रिलर फिल्म "अल्फा" में शरवरी और आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन शिव रावेल कर रहे हैं। इसके साथ ही वह तमिल एक्शन-ड्रामा फिल्म "जना नायकन" में भी दिखाई देंगे, जिसे एच. विनोद निर्देशित कर रहे हैं।कुल मिलाकर, "बंदर" बॉबी देओल के करियर की एक अहम फिल्म साबित हो सकती है। दमदार कहानी, मजबूत स्टारकास्ट और अनुभवी निर्देशक के साथ यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने की पूरी क्षमता रखती है। अब दर्शकों को 5 जून का इंतजार है, जब यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी और यह देखना दिलचस्प होगा कि यह दर्शकों की उम्मीदों पर कितना खरी उतरती है।

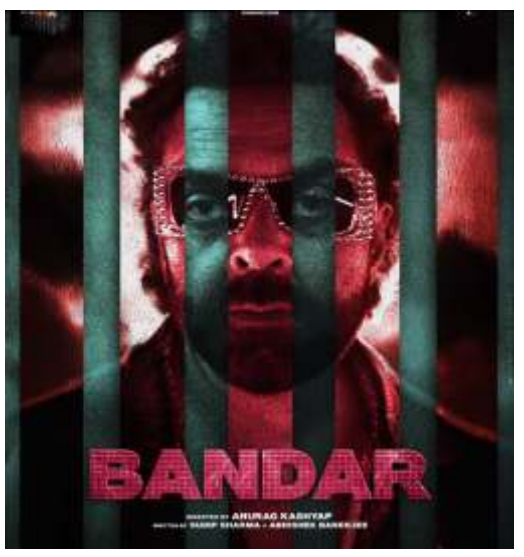

बिजली बिल बढ़ने से नाराज महिलाएं, विभाग पर लापरवाही का आरोप

लखनऊ के इंदिरा नगर पावर हाउस में महिलाओं ने स्मार्ट मीटर के खिलाफ प्रदर्शन कर गेट पर ताला लगा दिया। उन्होंने जबरन मीटर लगाने, बढ़े बिजली बिल और धमकी देने के आरोप लगाए। मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने और कर्मचारियों को बाहर न जाने देने की चेतावनी दी।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के इंदिरा नगर स्थित पावर हाउस में स्मार्ट मीटर के विरोध में सोमवार को जमकर हंगामा देखने को मिला। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति (AIDWA) से जुड़ी महिलाओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर बिजली विभाग के कार्यालय का घेराव कर दिया और मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने साफ तौर पर मांग रखी कि उनके घरों में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर को तुरंत हटाया जाए। प्रदर्शन के दौरान स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि बिजली विभाग के अधिकारी और कर्मचारी कार्यालय छोड़कर वहां से निकल गए। गुस्साई महिलाओं ने पूरे परिसर को घेर लिया और गेट पर डटकर खड़ी हो गईं। उन्होंने न किसी कर्मचारी को अंदर जाने दिया और न ही किसी को बाहर निकलने दिया। मौके पर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन लगातार जारी रहा। संगठन की सदस्य मधु गर्ग ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर के नाम पर आम जनता को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती लोगों के घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिन महिलाओं ने मीटर लगाने से इनकार किया, उन्हें पुलिस बुलाने की धमकी दी गई और ₹10,000 तक जुर्माना लगाने की बात कही गई। मधु गर्ग ने यह भी कहा कि यह स्मार्ट मीटर एक निजी कंपनी का है और इसके जरिए आम लोगों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक वे बिजली उपकेंद्र से हटने वाली नहीं हैं। महिलाओं ने स्पष्ट कर दिया कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक प्रशासन उनकी बात नहीं सुनता।एक अन्य प्रदर्शनकारी सुशीला ने बताया कि उन्होंने गेट पर ताला इसलिए लगाया है ताकि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी बाहर न जा सके। उन्होंने कहा कि वे सभी घरेलू महिलाएं हैं, जो अपने कामकाज से समय निकालकर यहां आई हैं, लेकिन उनकी समस्याओं को सुनने के लिए कोई अधिकारी मौजूद नहीं है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि न तो कोई उनसे मिलने आ रहा है और न ही उनका ज्ञापन लिया जा रहा है।सुशीला ने बिजली बिलों में हो रही बढ़ोतरी को लेकर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पहले जहां उनका बिजली बिल करीब ₹1500 आता था, वहीं अब स्मार्ट मीटर लगने के बाद वही बिल बढ़कर ₹5000 तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि वे गरीब महिलाएं हैं, जो मेहनत करके घर चलाती हैं, लेकिन बढ़े हुए बिलों ने उनकी आर्थिक स्थिति को और खराब कर दिया है। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बिजली विभाग पर लापरवाही का भी आरोप लगाया। उनका कहना था कि जहां वे गर्मी में परेशान हैं, वहीं विभाग के कर्मचारी कार्यालय में एसी चलाकर आराम करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया जाएगा, वे किसी भी कर्मचारी को बाहर नहीं जाने देंगी और आंदोलन जारी रखेंगी।

बीटेक फाइनल ईयर छात्रा का शव किराए के कमरे में मिला

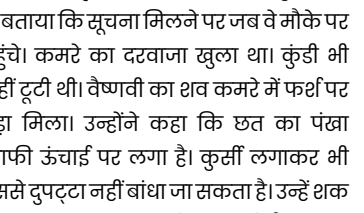

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में बीटेक फाइनल ईयर छात्रा का शव किराए के कमरे में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान अयोध्या के रौनही थाना क्षेत्र के कटरौली निवासी 25 वर्षीय वैष्णवी यादव के रूप में हुई। वह बिजनौर थाना क्षेत्र के सीमा सिटी में पिछले 4 साल से किराए पर रह रही थी। बीटेक फाइनल ईयर की छात्रा थी। उसके बगल के कमरे में उदित रहता है। दोनों एक प्राइवेट कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर पार्ट टाइम जॉब (वर्क फ्रॉम होम) करते थे। पुलिस के मुताबिक, रविवार दोपहर को उदित ने कई बार वैष्णवी को फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ। इस पर वह उसके कमरे पर गया। दरवाजा अंदर से बंद था। उसने कई बार आवाज लगाई। अंदर से कोई जवाब न आने पर जोर से धक्का दिया। इससे दरवाजा खुल गया। अंदर कमरे में वैष्णवी पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे बंधे फंदेसे लटकी मिली। उसने उसे नीचे उतारकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। मृतका के पिता अमर बहादुर यादव ने बताया कि सूचना मिलने पर जब वे मौके पर पहुंचे। कमरे का दरवाजा खुला था। कुंडी भी नहीं टूटी थी। वैष्णवी का शव कमरे में फर्श पर पड़ा मिला। उन्होंने कहा कि छत का पंखा काफी ऊंचाई पर लगा है। कुर्सी लगाकर भी उससे दुपट्टा नहीं बांधा जा सकता है। उन्हें शक है कि उदित ने ही बेटी की हत्या की है। पुलिस को मामले की गंभीरता से जांच करनी चाहिए। अमर बहादुर अयोध्या में हार्डवेयर की दुकान चलाते हैं। वैष्णवी के परिवार में पिता अमर बहादुर, मां आशा देवी, बहन चहक, भाई आर्यन व आर्य हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में सुनीं समस्याएं

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन प. बंगाल रवाना होने से पहले जनसेवा का संकल्प भी पूरा किया। मुख्यमंत्री ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए फरियादियों की पीड़ा सुनी और अधिकारियों को संवेदनशील होकर जनता की समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में आए सभी फरियादियों से मुलाकात की। एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं, प्रार्थना पत्र लिया, फिर अधिकारियों को समय सीमा के भीतर समाधान कराने को कहा। राजस्व व पुलिस से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि हीलाहवाली नहीं चलेगी, समयसीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करके पीड़ित को सूचित करना होगा। 'जनता दर्शन' में आए कुछ फरियादियों से मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या जनपद में किसी अधिकारी से मिलकर आपने समस्या बताई? पता चला-नहीं, इस पर मुख्यमंत्री ने फरियादियों से कहा कि बेतहाशा गर्मी में आप परेशान न हों। पहले अपने जनपद में तैनात अधिकारियों से पीड़ा बताएं। हर हाल में सुनवाई होगी और समस्या का यथोचित समाधान भी। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की कि धूप-गर्मी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में परिजनों के साथ आए बच्चों पर अपना स्नेह लुटाया। उन्हें चॉकलेट के साथ आशीर्वाद भी दिया। मुख्यमंत्री ने मां की गोद में बैठे बच्चों से पूछा-चॉकलेट चाहिए तो एक बच्चे ने मुस्कुराकर अभिव्यक्ति दी, इस पर मुख्यमंत्री ने उसे चॉकलेट दी। चॉकलेट पाकर बच्चा खिलखिला उठा।

हाईकोर्ट-बिड रिजेक्ट करने पर जताई नाराजगी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अहम आदेश में स्पष्ट किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा जरूरी दस्तावेज देने के बावजूद बिड (बोली) खारिज किया जाना मनमाना और भेदभाव पूर्ण है। कोर्ट ने यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता की बिड, जरूरी दस्तावेज देने के बावजूद खारिज कर दी गई, माना कि टेंडर देने वाले अधिकारी की फ़ैसला लेने की प्रक्रिया भेदभावपूर्ण है। इसलिए कोर्ट ने पूरी टेंडर प्रक्रिया पर रोक लगा दी और प्रतिवादियों को फिलहाल टेंडर के तहत कोई भी कॉन्ट्रैक्ट देने से मना कर दिया है। न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति अबधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने ने यह आदेश मेसर्स एसोसिएटेड जूट इंडस्ट्रीज की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। इसमें याची की बिड को तकनीकी आधार पर खारिज किए जाने को चुनौती दी गई है। दरअसल, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम लिमिटेड ने अलग-अलग क्षमता वाले हाई डेंसिटी (एंटी-स्किड) पॉली एथिलीन बोरे (बिना लैमिनेशन वाले) और सर्कुलर लूम पर बुने हुए बैग की सप्लाई के लिए एक टेंडर का विज्ञापन निकाला था। याचिकाकर्ता ने जरूरी दस्तावेजों के साथ अपनी बिड जमा की थी। याचिकाकर्ता फर्म की ओर से दलील दी गई कि परचेज ऑर्डर और सर्टिफ़िकेट से यह पता चलता था कि याचिकाकर्ता द्वारा सप्लाई किए गए बैग उसी तरह के थे और याचिकाकर्ता के पास टेंडर को पूरा करने की तकनीकी विशेषज्ञता थी। फिर भी बिड को मनमाने आधारों पर खारिज कर दिया गया। इसे, इस आधार पर खारिज किया गया कि याचिकाकर्ता ने टेंडर की शर्तों के मुताबिक परचेज़ ऑर्डर और सफलतापूर्वक काम पूरा होने का सर्टिफिकेट अपलोड नहीं किया। याची की ओर से यह भी तर्क दिया गया कि परचेज ऑर्डर की कॉपियों के साथ याचिकाकर्ता के आवेदन को भी खारिज कर दिया गया और ठीक अगले ही दिन, जो कि रविवार था, फाइनेंशियल बिड खोली गई। कहा कि यह प्रक्रिया किसी एक पक्ष को फायदा पहुंचाने के लिए चलाई जा रही थी। कोर्ट ने कहा कि इस आधार पर बोली को खारिज करना कि उसने परचेज ऑर्डर और कंप्लीशन सर्टिफिकेट अपलोड नहीं किया था, मनमाना था। कोर्ट ने माना कि निर्णय लेने की प्रक्रिया पक्षपातपूर्ण और मनमानी होने से से दूषित थी।

ओम प्रकाश राजभर ने प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

यूपी के पंचायती राज मंत्री और सुल्तानपुर जिले के प्रभारी ओम प्रकाश राजभर ने पंचायत चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। जिले में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। समय पर चुनाव नहीं हो पाने के आसार पर उन्होंने साफ किया कि कोर्ट के आदेश के अनुसार ही प्रशासक नियुक्त किए जाएंगे या फिर पंचायत का कार्यकाल बढ़ाया जाएगा। नारी शक्ति वंदन बिल गिरने के बाद जिले में पहुंचे पंचायती राज मंत्री सोमवार को जिला पंचायत सभागार में मीडिया से बात कर रहे थे। इसके बाद वह भाजपा महिला मोर्चा की ओर से नारी शक्ति वंदन बिल के समर्थन व कांग्रेस और सपा के खिलाफ आयोजित रैली में हिस्सा लेंगे। राजभर ने पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना परिसीमन करके महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की थी पर विपक्ष ने इसमें अड़ंगा लगा दिया। सपा-कांग्रेस की मंशा ही नहीं है कि देश की महिलाओं को अधिकार मिले। देश की आबादी जब 68 करोड़ थी तो उसके अनुसार लोकसभा में 545 सीटों का निर्धारण किया गया। 2011 को हुई जनगणना के अनुसार, सीटों की संख्या 815 होनी चाहिए पर विपक्ष ने सरकार का साथ नहीं दिया जिससे बिल लोकसभा में गिर गया। विपक्ष नहीं चाहता कि राजनीति में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिले।

सुपर ओवर में KKR की जीत

इकाना में रिंकू का धमाका: 4 छक्कों पर झूमीं मंगेतर प्रिया सरोज

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में क्रिकेटर रिंकू सिंह के लगातार 4 छक्कों पर उनकी मंगेतर सपा सांसद प्रिया सरोज में झूम उठीं। वह कुर्सी से उठकर खड़ी हो गईं। कोलकाता नाइट राइडर्स का झंडा लहराते हुए रिंकू को चीयर किया। कहा- वंस मोर। प्रिया सरोज ने कहा कि आज रिंकू सिंह ने मेरे फादर इन ला (ससुर) के लिए शानदार पारी खेली है। आज हम उन्हें बहुत मिस कर रहे हैं। दरअसल, रिंकू के पिता खानचंद का 27 फरवरी को निधन हो गया था। वे फोर्थ स्टेज लिवर कैंसर से जूझ रहे थे। वो 60 साल के थे। प्रिया सरोज के साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव की दोनों बेटियां अदिति और टीना भी मैच देखने पहुंची थीं। उन्होंने भी रिंकू को चीयर किया। रविवार को KKR ने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) को सुपर ओवर में हरा दिया। मैच के हीरो रिंकू सिंह रहे। रिंकू ने 51 गेंद पर नाबाद 83 रन बनाए। फील्डिंग में 5 कैच लपके। मैच के आखिरी ओवर में ध्रुव राठी की गेंद पर लगातार 4 छक्के जड़े। सुपर ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई।मैच जीतने के बाद रिंकू ने अपनी मां और बहन से वेस्टइंडीज के स्पिनर सुनील नारायण की वीडियो कॉल पर बात कराई। इस दौरान रिंकू की बहन ने कहा कि आज बहुत अच्छी बॉलिंग की भइया। इस पर रिंकू ने कहा- भइया नहीं, ब्रदर। रिंकू और प्रिया की लव स्टोरी दिलचस्प है। बात करीब 3 साल पहले की है। IPL 2023 में रिंकू ने लगातार पांच छक्के लगाकर KKR को आखिरी ओवर में जीत दिलाई थी। इसके बाद रिंकू की टीम के सीनियर क्रिकेटर्स से नजदीकियां बढ़ीं। इसी दौरान, एक सीनियर क्रिकेटर की दिल्ली में शादी हुई थी। उसी समारोह में क्रिकेटर ने रिंकू और अपनी पत्नी की दोस्त प्रिया को बुलाया। रिंकू और प्रिया पहली बार इसी पार्टी में मिले। क्रिकेटर की पत्नी ने दोनों का परिचय कराया और यहीं से बातचीत शुरू हुई। रिंकू के परिवार से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया था कि KKR के क्रिकेटर की पत्नी और प्रिया दिल्ली यूनिवर्सिटी से पढ़ी हैं। प्रिया सरोज ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीए एलएलबी किया है। पढ़ाई के दौरान ही दोनों की दोस्ती हुई थी। प्रिया सरोज वाराणसी जनपद के पिंडरा तहसील के करखियांव की रहने वाली हैं। उनका जन्म 23 नवंबर 1998 को हुआ था। 18 साल की उम्र पार करते ही उन्होंने सपा की न केवल सक्रिय सदस्यता ले ली थी, बल्कि पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों में भी सक्रिय भागीदारी निभाती रहीं।

नौ माह का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 1062 प्रशिक्षु आरक्षी रविवार को सिपाही बन गए

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव/फतेहपुर चौरासी। नौ माह का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 1062 प्रशिक्षु आरक्षी रविवार को सिपाही बन गए। उन्नाव और फतेहपुर चौरासी में आयोजित दीक्षांत समारोह में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर अधिकारियों ने उनका उत्साहवर्धन किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को सम्मानित भी किया। पुलिस लाइन में अपर पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं) नवीन अरोरा ने परेड की सलामी ली। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु आरक्षियों को अंतः एवं बाह्य विषयों में प्राप्त अंकों के आधार पर सम्मानित किया। काली मिट्टी स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्राचार्य एडीजी नवनीत सिकेरा ने सभी सिपाहियों को कर्तव्य निष्ठा और पद गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उद्बोधन भी सुनाया गया। मुख्य अतिथि नवीन अरोरा और विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने प्रशिक्षु आरक्षियों को नई जिम्मेदारी की बधाई दी। उन्होंने सिपाहियों को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण का पाठ पढ़ाया। शपथ ग्रहण के बाद प्रशिक्षुओं ने मार्च करते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी और परेड का समापन किया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु आरक्षियों को सम्मानित किया गया। सर्वांग सर्वोत्तम प्रशिक्षु आरक्षी शिव प्रताप सिंह रहे। पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में एडीजी नवनीत सिकेरा ने प्रशिक्षण के दौरान ही यूपी पीसीएस 2024 में इकतीसवीं रैंक हासिल कर उप जिलाधिकारी पद पर चयनित हुए सचिन कुमार को विशेष रूप से बधाई दी और पुरस्कृत किया। इसके अतिरिक्त, एडीजी ने अच्छा कार्य करने वाले 29 अन्य सिपाहियों को भी सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने 491 आरक्षियों को नौ महीने के प्रशिक्षण में अनुशासन से लेकर पुलिस की हर गतिविधि का पाठ पढ़ाने की बात कही। समारोह में क्षेत्राधिकारी दिनेश कुमार, संजीव कुमार त्यागी, प्रभात कुमार तिवारी, आरक्षित निरीक्षक धर्मराज और निरीक्षक श्याम कुमार मिश्र सहित कई अधिकारी और आरक्षियों के अभिभावक मौजूद रहे। अपने बच्चों को वर्दी में देखकर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। यह समारोह प्रशिक्षुओं के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव था।

बच्चों को वर्दी में देख अभिभावकों की आंखों से छलके खुशी के आंसू

उन्नाव। दीक्षांत समारोह में कस्बा फतेहपुर चौरासी के मोहल्ला सुभाषनगर पूर्वी निवासी अंकित चौरसिया को पुलिस वर्दी में देखकर पिता श्रीकृष्ण चौरसिया और मां जानवती के चेहरे पर खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा। पुलिस लाइन स्थित मैदान में प्रशिक्षण पूरा करने वाले परेड कमांडर अनुराग राठौर और राजन मिश्र ने माता-पिता के साथ खुशी मनाई और झांसी के बृजेश कुमार ने परेड पूरी होते ही पिता के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। बेटे को वर्दी में देख परिजनों की भी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

कीटनाशी दुकानों का औचक निरीक्षण दो दुकानों के लाइसेंस निलंबित

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में शासन एवं जिलाधिकारी के निर्देश पर कीटनाशी दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। जिला कृषि रक्षा अधिकारी शशांक ने अचलगंज और बीघापुर क्षेत्र में यह कार्रवाई की। इस दौरान कई अनियमितताएं पाए जाने पर दो दुकानों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए, जबकि दो अन्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकानों पर स्टॉक बोर्ड, रेट बोर्ड, वितरण रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर और कैश मेमो की गहन जांच की। जांच में नियमों का पालन न करने पर नवीन खुशहाली किसान सेवा केंद्र और मनोज बीज भंडार, अचलगंज को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसके अतिरिक्त, मेसर्स शिव शक्ति बीज भंडार, अचलगंज से दो कीटनाशक रसायनों के नमूने लेकर प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि नमूनों की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाई जाती है, तो संबंधित विक्रेता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने सभी विक्रेताओं को निर्देश दिए कि वे सभी आवश्यक अभिलेख व्यवस्थित रखें और शासन द्वारा निर्धारित नियमों के तहत ही कीटनाशकों की बिक्री करें। उन्होंने जोर दिया कि रेट बोर्ड, स्टॉक बोर्ड, कैश मेमो, वितरण रजिस्टर और स्टॉक रजिस्टर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित व संधारित किए जाएं।

उन्नाव में कानून-व्यवस्था मजबूत करने के लिए पुलिस विभाग में तबादले

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में उपनिरीक्षकों के तबादले किए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने चार उपनिरीक्षकों को नई जिम्मेदारियां सौंपते हुए विभिन्न थानों और चौकियों की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने का प्रयास किया है। इस प्रशासनिक फेरबदल को स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे पुलिस व्यवस्था में सक्रियता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है। जारी आदेश के अनुसार, उपनिरीक्षक धर्मराज सिंह को पुलिस लाइन से स्थानांतरित कर थाना बांगरमऊ के अंतर्गत गंजमुरादाबाद चौकी का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, उपनिरीक्षक विजय चतुर्वेदी को भी पुलिस लाइन से हटाकर थाना आसीवन की हैदराबाद चौकी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में उपनिरीक्षक अशोक कुमार सोनकर को थाना बांगरमऊ से स्थानांतरित कर थाना आसीवन की रसूलाबाद चौकी का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, उपनिरीक्षक सुधीर कुमार को थाना गंगाघाट से हटाकर उसी थाना क्षेत्र की हाजीपुर चौकी का प्रभारी बनाया गया है। पुलिस विभाग के अधिकारियों का कहना है कि समय-समय पर इस तरह के तबादले प्रशासनिक दृष्टि से आवश्यक होते हैं। इससे न केवल कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आती है, बल्कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में भी सहायता मिलती है। नए अधिकारियों की तैनाती से संबंधित क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण, जनसुनवाई और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की दिशा में काम किया जाएगा। गौरतलब है कि हाल के दिनों में कुछ चौकियों के प्रभारी पद खाली हो गए थे। हाजीपुर चौकी के पूर्व इंचार्ज को लाइन हाजिर कर दिया गया था, जबकि गंजमुरादाबाद चौकी के प्रभारी का अन्य स्थान पर स्थानांतरण कर दिया गया था। इसके अलावा, रसूलाबाद चौकी के प्रभारी को निरीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया, जिससे यह पद भी रिक्त हो गया था। इन परिस्थितियों के चलते इन चौकियों पर नए प्रभारियों की नियुक्ति आवश्यक हो गई थी।नई तैनाती के बाद सभी संबंधित उपनिरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से अपने-अपने कार्यस्थलों पर पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही उन्हें अपने क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर नियंत्रण रखने और जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया गया है।

सभासद के घर हुई 40 लाख की चोरी महिला इंदू पांडेय और सराफा व्यापारी कुलदीप सोनी गिरफ्तार

एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने खुलासा करते हुए बताया कि सभासद स्वप्निल शुक्ला की सास किरन शुक्ला के घर में तीन दिन पहले 40 लाख रुपये की चोरी हुई। सभासद स्वप्निल शुक्ला की सास किरन शुक्ला सेवानिवृत्त एडीओ पंचायत हैं। किरन के बेटे मनीष शुक्ला उर्फ सौरभ ने 23 अप्रैल को पुलिस को प्रार्थनापत्र दिया था कि उनके घर में तीन साल से रहने वाले किराएदार राज पांडेय और उनकी पत्नी इंदू ने बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखे करीब 40 लाख के जेवर चोरी कर लिए। इसके बाद 15 अप्रैल को उसने कमरा खाली कर दिया था। चोरी की गई चेन और हार कचौड़ी गली निवासी सराफा व्यापारी कुलदीप सोनी को 1.75 लाख रुपये बेचा। कुलदीप और भी सामान उधार मांग रहे थे, लेकिन नहीं दिया। दो महीने पहले 9.25 लाख का सामान जेठ नीरज पांडेय के साथ मिलकर लखनऊ में मोहम्मद उमर ज्वेलर्स सर्राफा मार्केट चौक के मालिक सालिम अहमद निवासी फूल वाली गली थाना चौक सआदतगंज लखनऊ को बेचा। उसी पैसे से छह अप्रैल को 600 वर्ग फिट का प्लॉट लखनऊ के बालागंज में 6.28 लाख रुपये में खरीदा था, साथ ही 1.50 लाख रुपये अपने-अपने जेठ नीरज पांडेय को लिखापढ़ी के लिए दिए थे। इस घटना से पति अनजान थे, जेठ को मिलाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। इंदू पांडेय ने मकान मालिक का भरोसा जीतकर उनके हर कमरे में आना-जाना शुरू किया। उसने कीमती सामान रखने वाले बक्से पर निगरानी रखी और चाबी का पता लगा लिया।

छह जिलों में भूखंड आवंटन तेज

गंगा एक्सप्रेसवे के साथ औद्योगिक विकास को रफ्तार

गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना उत्तर प्रदेश में कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वाकांक्षी पहल है।उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण इसके किनारे औद्योगिक हब विकसित कर निवेश आकर्षित करने की दिशा में काम कर रहा है।नरेंद्र मोदी द्वारा 29 अप्रैल को होने वाले उद्घाटन से इस परियोजना को नई गति मिलने की उम्मीद है।इससे रोजगार सृजन, निवेश वृद्धि और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

गंगा एक्सप्रेसवे किनारे छह जिलों में औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिए उद्घाटन से पहले कार्य ने तेजी पकड़ ली है। बदायूं जिले में गंगा एक्सप्रेसवे किनारे 5200 रुपये वर्ग मीटर की दर से भूमि आवंटित की जानी है। बदायूं में करीब 50 से अधिक कारखाने लगाने की तैयारी है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक अब तक 15 उद्यमियों ने रुचि दिखाते हुए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में भाग लेना शुरू किया है। उम्मीद है कि देश की कई बड़ी कंपनियां भी शामिल होंगी। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने मेरठ, उन्नाव, बदायूं, संभल, हरदोई और शाहजहांपुर में औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भूखंडों का आवंटन शुरू कर दिया है। यह पहल क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। उस दिन निवेशकों के नामों की भी घोषणा हो सकती है। इसके लिए बदायूं में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। कुछ समय पहले तक सात निवेशकों के ही आवेदन हुए थे, उद्घाटन की तारीख की घोषणा होने के बाद तेजी से प्रयास किए गए। इसी का नतीजा है कि आवेदक उद्यमियों की संख्या 15 पहुंच गई है 36,230 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों को जोड़ेगा, जिससे कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण सुधार होगा। इन औद्योगिक क्षेत्रों में होने वाले निवेश से दस लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। यूपीडा द्वारा स्थापित किए जा रहे इन औद्योगिक क्षेत्रों में सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्राधिकरण ने निवेशकों से निवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। यूपीडा का लक्ष्य है कि उद्घाटन से पहले अधिक से अधिक भूखंडों का आवंटन कर दिया जाए। मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, संभल, बदायूं, उन्नाव, अमरोहा, शाहजहांपुर, हरदोई, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज सहित कुल बारह जिलों में औद्योगिक, वाणिज्यिक और लॉजिस्टिक केंद्र (आईएमएलसी) स्थापित किए जा रहे हैं। फिलहाल, पहले चरण में छह जिलों में भूखंडों के आवंटन पर जोर दिया जा रहा है। इन छह जिलों में मेरठ, उन्नाव, बदायूं, संभल, हरदोई और शाहजहांपुर शामिल हैं। मेरठ में भूखंड की दर सबसे अधिक निर्धारित की गई है, जबकि हरदोई में यह दर सबसे कम है। यह कदम क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इन औद्योगिक क्षेत्रों से राज्य के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। इस भव्य समारोह के लिए बदायूं जिले में तैयारियां जोरों पर हैं। बरेली मार्ग पर बिनावर के पास उद्घाटन कार्यक्रम के लिए पंडाल आदि लगाने का काम रविवार को शुरू कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन और यूपीडा के अधिकारी तैयारियों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। डीएम अवनीश राय ने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे किनारे औद्योगिक विकास के लिए भी काम चल रहा है। 29 अप्रैल को होने वाले उद्घाटन समारोह की तैयारी भी पूरी की जा रही है।

होमगार्ड भर्ती लिखित परीक्षा-अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देने आए युवक को गिरफ्तार किया

उत्तर प्रदेश के पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित होमगार्ड भर्ती परीक्षा- 2025 के दौरान बरेली में जालसाजी का एक बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस ने एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है जो असली अभ्यर्थी की जगह पर परीक्षा दे रहा था। पकड़े गए आरोपी ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह एक दिन पहले भी किसी और के नाम पर परीक्षा दे चुका है।घटना रविवार की है, जब बरेली के साहू गोपीनाथ कन्या इंटर कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र पर तैनात प्रभारी को एक अभ्यर्थी की गतिविधियों पर संदेह हुआ। संदिग्ध लगने पर जब उसका बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन किया गया, तो डेटा मैच नहीं हुआ। गहराई से की गई पूछताछ और जांच में युवक की असलियत सामने आ गई। आरोपी की पहचान हरदोई जिले के टड़ियावां निवासी अनुराग के रूप में हुई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) अनुराग आर्य ने बताया कि आरोपी अनुराग ने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया है। अनुराग ने शनिवार को भी रिठौरा स्थित दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज केंद्र पर धर्मेंद्र सिंह नामक अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा दी थी। रविवार को वह साहू गोपीनाथ कॉलेज में एक अन्य अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देने पहुंचा था, जहां वह धरा गया। एसएसपी ने बताया कि केंद्र प्रभारी निरीक्षक की लिखित तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस फर्जीवाड़े के पीछे कोई संगठित गिरोह तो नहीं है और अनुराग ने किन अभ्यर्थियों के साथ सौदेबाजी की थी।

कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान पति पर आर्थिक दंड लगाया गया

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक वकील द्वारा अपनी पत्नी के खिलाफ भरण-पोषण मामले के शीघ्र निस्तारण के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह अनावश्यक रूप से परेशान करने के लिए तथा 'झूठे बहाने बनाकर' दायर की गई है। जज विनोद दिवाकर ने तथ्यों को छिपाने और पत्नी को हानि पहुंचाने के लिए याचिकाकर्ता पति पर 15 लाख रुपये हर्जाना भी लगाया है। कोर्ट ने कहा, 'शारीरिक रूप से सक्षम और वकालत के पेशे में मौजूद याचिकाकर्ता ने न केवल अपने पक्ष में दिए गए गुजारा भत्ते के आदेश को छिपाया, बल्कि अपनी पत्नी द्वारा लिए गए व्यक्तिगत ऋण का पैसा भी अपने विलासतापूर्ण जीवन और शराब पर उड़ा डाला।' मामले के तथ्यों के अनुसार, याचिकाकर्ता और प्रतिवादी ने 18 मई 2019 को विवाह किया। उस समय दोनों प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। विवाह के बाद पत्नी को इलाहाबाद हाई कोर्ट में अपर निजी सचिव के पद पर नौकरी मिल गई, जबकि पति विधि स्नातक और पंजीकृत अधिवक्ता होने के बावजूद बेरोजगार रहा। कुछ समय बाद दोनों के बीच विवाद होने लगा, जिसके बाद पति ने इटावा की परिवार अदालत में गुजारा भत्ते का आवेदन किया, जहां उसके पक्ष में निर्णय आया। लेकिन इस निर्णय के खिलाफ प्रयागराज की परिवार अदालत में याचिका लंबित होने के कारण उसने आय का कोई स्रोत नहीं होने का दावा करते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की। पत्नी की ओर से कोर्ट को बताया गया, '10 नवंबर 2020 को पति ने एक भूखंड खरीदने का झूठा बहाना बनाकर उसे भरोसे में लिया और हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ स्थित एसबीआई शाखा में उसके वेतन खाते के आधार पर 11,50,000 रुपये का व्यक्तिगत ऋण लिया।' उसने कहा, 'याचिकाकर्ता ने छह अक्टूबर 2022 को एसबीआई की झलवा (प्रयागराज) शाखा से पत्नी के वेतन खाते से फिर 13,56,000 रुपये का व्यक्तिगत ऋण लिया। तब से वह 26,020 रुपये की मासिक किस्त भर रही है और वह अक्टूबर 2028 तक इसका भुगतान करती रहेगी।'

विकास खण्ड हाथरस में संचालित वृहद गौ संरक्षण केन्द्र पुन्नैर का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौशाला में संरक्षित गोवंश के लिए पेयजल की उपलब्धता, टीन शेड की स्थिति, हरे चारे एवं भूसे, दाना/चोकर आदि की व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया तथा वायो गैस संयन्त्र संस्थान के संचालन के सम्बन्ध में जानकारी की। उन्होंने मौके पर उपलब्ध केयर टेकर उपस्थिति पंजिका, स्टॉक पंजिका, सामान्य उपस्थिति पंजिका तथा पशु चिकित्सक विजिट पंजिका का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों के समुचित रख-रखाव के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि गौशाला में ग्रीष्म ऋतु के प्रभाव से गौवंश को सुरक्षित रखने हेतु पर्याप्त छायादार स्थान, स्वच्छ पेयजल एवं संतुलित आहार की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने गौवंश हेतु तालाब की व्यवस्था करने तथा सीसी टीवी कैमरों को जिला मुख्यालय कंट्रोल रूम से कनेक्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद में संचालित सभी स्थाई एवं अस्थाई गौशालाओं में संरक्षित गोवंश का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही प्रत्येक गोवंश की शत-प्रतिशत ईयर टैगिंग कराते हुए उसका अभिलेखीकरण पूर्ण किया जाए, जिससे निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि गौशालाओं के निरीक्षण के दौरान भ्रमण पंजिका में अनिवार्य रूप से हस्ताक्षर अंकित किए जाएं, ताकि यह स्पष्ट रूप से अभिलेखित रहे कि किस अधिकारी द्वारा कब निरीक्षण किया गया है।